INTERMEDIATE EXAMINATION – 2019 (ANNUAL)

Sl. No. – 108/208

Maithili (opt.) (Model Set)

(मैथिली)

[Time : 03 Hrs. 15 Minutes]

[Full Marks : 100]

I.Sc. & I.Com – LL-MAITHILI (OPT)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
4. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
5. खण्ड–अ में 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

   (प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है, इनका उत्तर उपलब्ध कराये गये OMR–शीट में दिये गये सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के व्हाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।)
6. खण्ड–ब में कुल 20 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रश्नों के पूर्व दिए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और पालन करें। प्रत्येक के समक्ष अंक निर्धारित है।
7. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का उपयोग वर्जित है।

खण्ड–अ

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी लिपि में लिखू।

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तर में सँ सही उत्तर लिखू। (50X1=50)

1. 'नूतन स्वरक' रचयिता छथि –

अ. कुमार गंगानन्द सिंह | ब. पं0 गोविन्द झा
स. मनमोहन झा | द. जगदीश चन्द्र झा

2. 'उठह कृषक' क रचनाकार छथि –

अ. सोमदेव | ब. ललित
स. गोविन्द दास | द. लालदास

3. 'शरद–संगीत' क रचनाकार छथि –

अ. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' | ब. राजकमल चौधरी
स. प्रभास कुमार चौधरी | द. हर्षनाथ झा

4. 'मनुक्खक जीवन' क रचयिता छथि –

अ. जगदीश चन्द्र झा | ब. परमेश्वर झा
स. गोविन्द झा | द. मन्त्रेश्वर झा

5. 'सीमन्तिनी' कोन विधाक रचना थीक ?

अ. गद्य | ब. पद्य | स. वाग्विलास | द. उपरोक्त कोनो नहि

6. डॉ. सर सी0 वी0 रमण' क रचनाकार छथि –

अ. म0 म0 परमेश्वर झा | ब. भाग्यनारायण झा
स. मनमोहन झा | द. डॉ0 भीमनाथ झा

7. मनमोहन झाक रचना अछि –

अ. रूना　　　　ब. करूणा

स. अधोगति　　　　द. सोहर

8. कुमार गंगानन्द सिंह क रचना अछि –

अ. राष्ट्रिय एकताक महत्त्व　　　　ब. मनुक्खक जीवन

स. विचित्र प्रेम　　　　द. सीमन्तिनी

9. डॉ0 सर गंगानाथ झाक रचना अछि –

अ. तीव्रगति　　　　ब. अधोगति

स. चानीक तितली　　　　द. सीमक लत्ती

10. 'कुसुम – वदना' क रचयिता छथि –

अ. गोविन्द दास　　　　ब. कुमार गंगानन्द सिंह

स. हर्षनाथ झा　　　　द. सोमदेव

11. 'दीर्घायु' शब्दक अर्थ होइत अछि –

अ. कम आयुवाला　　　　ब. बेसी आयुवाला

स. मध्य आयुवाला　　　　द. उपरोक्त कोनो नहि

12. 'हाथीक दाँत' कोन विधाक रचना थीक –

अ. गल्प संग्रह　　ब. कविता　　स. एकांकी　　द. नाटक

13. 'रूना' क पतिक नाम छल –

अ. महादेव सिंह　　　　ब. अश्वनी कुमार

स. चन्द्रशेखर झा　　　　द. राघबेन्द्र

14. भाग्यनारायण झाक रचना अछि –

अ. मनोरथ

ब. सोनक ममता

स. परदेश

द. उपरोक्त सब

15. "आनन–हेम–सरोरूह भास ।

सौरभ श्याम – भ्रमर मिलु पास ।।"

कोन पद्यक पाँती अछि –

अ. विद्यापति वन्दना

ब. कुसुम वन्दना

स. बाल – लीला

द. शरद संगीत

16. " बजयित बाजन विविध विविध, गबियत गुणिक समाज।

पहुँचलाह मिथिलानगर, सैन्य सहित महाराज।।"

कोन पद्यक दोहा थिक –

अ. बाल लीला

ब. चिनगी

स. आवाहन

द. जानकी – परिणय

17. " मैथिली आबथु पुनः, रस–रंग नव मंगल रचाबथु।

चरणतलमे पड़ल, विहल, लाज 'भुक्नेश' क बचाबथु।।"

कोन पद्यक पाँती अछि –

अ. चिनगी

ब. सोहर

स. नूतर स्वर

द. आवाहन

18. "घटि गेल जखन ओ सत्यक बल,

बढ़ि गेल भयंकर दानव – दल,

सुनि जन– क्रन्दन करैत सन सन ...."

कोन पद्यक पाँती अछि –

अ. नूतन स्वर
ब. बाल लीला
स. आवाहन
द. सोहर

19. शरद–संगीत में 'कौमुदी' क अभिप्राय अछि –

अ. आकाश सँ
ब. चन्द्रमा सँ
स. तरेगन सँ
द. चाँदनी सँ

20. राजकमल चौधरी क मूलनाम अछि –

अ. मधुसूदन चौधरी
ब. मणीन्द्र नारायण चौधरी
स. प्रभास कुमार चौधरी
द. गौरीकान्त चौधरी

21. 'दु:ख' क पर्यायवाची शब्द अछि –

अ. शेष
ब. अनुग्रह
स. पीड़ा
द. कुंभिल

22. 'दया' क पर्यायवाची शब्द होइत अछि –

अ. विषाद
ब. खेद
स. करूणा
द. खंग

23. 'पानि' क पर्यायवाची शब्द होइत अछि –

अ. नल
ब. कल
स. जल
द. अचल

24. 'घोड़ा' क पर्यायवाची शब्द अछि –

अ. रेवति
ब. अश्व
स. द्विज
द. गऊ

25. 'आकाश' क पर्यायवाची शब्द अछि –

अ. गगन ब. अनल स. आमोद द. अक्षि

26. 'इच्छा' क पर्यायवाची शब्द अछि –

अ. शेष ब. अभिलाषा स. निःशंक द. विलास

27. 'आस्तिक' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. स्वास्तिक ब. नास्तिक स. राक्षस द. सुर

28. 'उत्तम' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. कम ब. श्रेष्ठ स. अधम द. छोट

29. 'कृतज्ञ' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. कृतध्न ब. उपकार स. परोपकार द. अकृतध्न

30. 'क्रोध' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. क्षमा ब. रोष स. कोप द. अमर्ष

31. 'कृत्रिम' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. भौतिक ब. लोकिक स. प्राकृत द. नैसर्गिक

32. 'खल' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. दुर्जन ब. दुष्ट स. धूर्त द. सज्जन

33. 'घर' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. बाहर ब. आलय स. शाला द. सदन

34. 'जाग्रत' क विपरीतार्थक शब्द होइत अछि –

अ. जागरण ब. सुपुप्ति स. सुषुप्त द. सुप्त

35. 'उच्चारण' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. उत् + चारण | ब. उतो + चारण
स. उच + चारण | द. उता + चरण

36. 'रामायण' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. रामा + अयन
ब. राम + अयन
स. रामः + अयन
द. रामो + अयन

37. 'नमस्कार' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. नमस् + कार
ब. नमः + स्कार
स. नमः + कार
द. नम् + स्कार

38. 'निश्चय' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. निश् + चय
ब. निस् + श्चय
स. निशा + अय
द. निः + चय

39. 'निष्कपट' का सन्धिविच्छेद करू–

अ. निः + कपट
ब. निस् + कपट
स. निः + षकपट
द. निष + कपट

40. 'निरोग' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. निः + रोग
ब. नि + रोग
स. निरा + धन
द. निः + अधन

41. 'निर्धन' क सन्धिविच्छेद करू –

अ. निर + धन
ब. निः + धन
स. निरा + ओग
द. निरो + ग

42. 'यशोधरा' क सन्धि–विच्छेद करू –

अ. यश + ओधरा
ब. यशओ + धरा
स. यशः + धरा
द. यशः + धारा

43. 'संस्कार' का सन्धि–विच्छेद करू –

अ. संस् + कार
ब. सम + कारा
स. संस् + कारा
द. सम् + कार

44. 'नागरि' का शब्दार्थ होइत अछि –

अ. नगरमे रहनिहार
ब. नरकमे रहनिहार
स. गाँवमे रहनिहार
द. विदेशमे रहनिहार

45. 'सरियाती' क शब्दार्थ होइत अछि –

अ. वरपक्षक लोक
ब. कन्यापक्षक लोक
स. कृष्णपक्षक लोक
द. शुक्लपक्षक लोक

46. 'अस्पृश्य' क शब्दार्थ होइत अछि –

अ. दृश्य
ब. अछूत
स. शुद्ध
द. स्पर्श

47. 'दाँत पीसव' क अर्थ होइत अछि –

अ. दाँत मँ पीड़ा
ब. तमसायब
स. दाँत निपोरब
द. उपरोक्त सब

48. समासक अन्तिम पद प्रधान होइछ, तकरा कहल जाइत अछि –

अ. तत्पुरूष
ब. कर्मधारय
स. द्विगु
द. द्वन्द्व

49. जाहि समासक पहिल पद संख्यावाची होइछ, तकरा कहल जाइत अछि –

अ. द्वन्द्व समास

ब. बहुब्रीहि समास

स. द्विगु समास

द. अव्ययीभाव समास

50. सन्धिक भेद अछि –

अ. तीन

ब. चारि

स. पाँच

द. छौ

खण्ड – ब

निम्नलिखित मे सँ कोनो पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न उत्तर लिखू – (5 X 2 = 10)

1. चित्रवर्मा कँ कन्यारत्नक अभिलाषा किएक छलनि ?
2. सिस्टर निवेदिता महाभारतक संबंधमे की कहने छथि ?
3. भोला मास्टर बंगट चौधरी क दलान पर कोन तथ्यक रहस्योद्‌घाटन कयलनि ?
4. क्रिसमसक अवसर पर लंदनमे बेसी सड़क दुर्घटना किएक होइत अछि ?
5. अंग्रेजी, गणित एवं भौतिकी पढ़बामे बालक रमणकँ किनकर मार्गदर्शन भेटलनि ?
6. मिथिलामे बरियातीक स्वागत कोना कयल जाइत अछि ?
7. चिनगीसँ नीक काज की होइत अछि ?
8. "गोबर थिकहुँ हम" मे गोबर की विनत्ती करैत अछि ?
9. केहन अवस्थामे 'रामक शर' क आवश्यकता भेलैक ?
10. चिनगीकँ हमसब कतय–कतय प्रयोग कऽ सकैत छी ।

निम्नलिखित कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (3 X 5 = 15)

11. 'सीमन्तिनी' का सारांश लिखू।
12. 'रूना' कथाक आलोकमे रूनाक चरित्र–चित्रण करू।
13. 'हाथीक दाँत' एकांकी क संक्षिप्त कथामे परिवर्तित करू।
14. 'कुसुम–वन्दना' कविताक आशय लिखू।
15. 'आवाहन' कविताक भाव स्पष्ट करू।
16. 'मनुक्खक जीवन' कविता में कविक भावना कँ निरूपित करू।

17. निम्नलिखित मे सँ कोनो एक विषय पर निबन्ध लिखू – (1X8=8)

(क) वसन्त ऋतु

(ख) मिथिलांचलक बाढ़ि

(ग) स्त्री शिक्षा

(घ) प्रिय शिक्षक

(ङ.) छठि पूजा

18. निम्नलिखित मे सँ कोनो दूटा क सप्रसंग व्याख्या करू – (2 X 4 = 8)

(क) "आमदनी हुनकर जड़कालाक ओढ़ि छोटकिनमी सीरक जकाँ रहनि,
जहिसँ एम्हर झाँपू तँ ओम्हर उघार, ओम्हर झाँपू तँ एम्हर उघार ...।"

(ख) "हम मुग्ध भेल हुनकर लजायल चेष्टा देखैत छी। तखने हमर आँखि खिड़की बाटे बाहर आकाश पर जाइत अछि।

एकटा तारा खिलखिलाकऽ हँसि रहल अछि। हमरा लगैत अछि, बाबी आशीर्वाद दऽ देलक ।"

(ग) "भेलिह अहँक सहधर्मिणी दारु। छाया इब करती संचार।
राखब हिनकाँमं सद्भाव। प्राणप्रिया–जानब एक भाव।।"

(घ) "करइछ गामक गाम सुड्डाह
तँ चिनगीक देखि लघु रूप
एकर शक्तिक के कऽ सकैछ अन्दाज ?
अक्षय शक्तिक स्त्रोते सूर्यो थिक।"

19. "बी0 ए0 नामांकन में विषयक चुनावक सम्बन्धमे सुझाव लेबाक हेतु बड़ बहिन कैँ पत्र लिखू।

अथवा

ज्येष्ठ भाई क विवाहक आयोजन मे भाग लेबाक लेल प्रधानाचार्य कँ अवकाश हेतु आवेदन पत्र लिखू।

20. संक्षेपण करू :– 04

"विश्व – प्रसिद्ध महान् वैज्ञानिक नोबेल पुरस्कार विजेता डॉक्टर चन्द्रशेखर वेंकट रमणक जन्म 7 नवम्बर 1888 ई0 कँ तमिलनाडु राज्यक प्रसिद्ध शहर त्रिचनापल्लीमे मध्यवर्गीय परिवार मे भेल रहनि। हुनक पिताक नाम चन्द्रशेखर अय्यर तथा माताक नाम श्रीमती पार्वती अम्मल छलनि। हुनक पिता अंग्रेजी पढल–लिखल व्यक्ति छलाह आ प्रारम्भमे विद्यालयमे अध्यापक रहथि। माता–पिताक श्रेष्ठ संस्कारक उत्तम प्रभाव बालक रमण पर पड़लनि।"